

Padma Shri



USTAD GULFAM AHMED

Ustad Gulfam Ahmed is a renowned Rabab and Sarod musician of Senia Gharana, a traditional music family. He represents the 7th generation of Senia Gharana.

2. Born in on 13th June, 1956, in Lucknow, Ustad Gulfam Ahmed received the education of Rabab and Sarod from his father Ustad Ishtayq Ahmed and his elder brother Ustad Mukhtar Ahmed. He gave his first public performance of Sarod instrument at the tender age of seven.

3. Rabab instrument, a musical instrument played in the folk music of Kashmir and Afghanistan, consists of 3 strings, which are tuned in musical note i.e. Dhiawat, Gandhaar, and Nishat only, Ustad Gulfam Ahamed, using his classical music knowledge, added a chord i.e., the base vowel to the "Maddham" in Rabab instrument, as a result of which all the ragas of classical music in the Rabab instrument built by him can be played with ease. He has been instrumental in reviving the reclining instrument, Rabab, which was known only for the folk music of Kashmir and Afghanistan, through his knowledge of classical music and the presentation of classical Rabab playing in India and abroad.

4. Ustad Gulfam Ahmed Sahab is the only classical Rabab player in India, he always strives to keep the Rabab instrument alive, therefore, he has been teaching classical Rabab knowledge to the youth of Afghanistan for many years through ICCR and is now continuously imparting classical Rabab knowledge to Indian youth, thereby increasing the number of Indian classical Rabab players also. He has also been encouraging music students to learn Rabab instrument, so as to expand this heritage. He has many disciples in India, Australia Canada & Afghanistan and has been encouraging them by giving full knowledge to play this instrument with affection.

5. Ustad Gulfam Ahmad has performed in several music conferences in India and abroad. He has also performed in many Music Festivals in India and abroad, including Qutub Festival (Qutub Minar Delhi); Hari Ballabh Festival (Punjab); Saptak Maho Utsav (Ahmedabad Gujarat); Sankat Mochan Maho Utsav (Banaras Uttar Pradesh); Cultural Music Festival – England; Moscow Festival – Moscow; Japan Music Festival; Kuwait Music Festival; Sat Guru Jagjit Singh Festival – Bangkok etc. He has also performed in a series of events organized by the Indian Council of Cultural Relations in several countries like USA, Canada, South Africa, Ukraine, Iran etc.

6. Ustad Gulfam Ahmad has received various awards and honours including, "Yash Bharti", an important award of the Uttar Pradesh Government, in 2016.



उस्ताद गुलफाम अहमद

उस्ताद गुलफाम अहमद संगीत के पारंपरिक सेनिया घराने से जुड़े प्रख्यात रबाब और सरोद वादक हैं। वह सेनिया घराने की सातवीं पीढ़ी से आते हैं।

2. 13 जून, 1956 को लखनऊ में जन्मे उस्ताद गुलफाम अहमद ने अपने पिता उस्ताद इश्तयाक अहमद और उनके बड़े भाई उस्ताद मुख्तार अहमद से रबाब और सरोद की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने सात वर्ष की आयु में पहली बार श्रोताओं के समक्ष सरोद वादन प्रस्तुत किया।
3. रबाब, कश्मीर और अफगानिस्तान के लोक संगीत में बजाया जाने वाला वाद्य यंत्र है जिसमें 3 तार होते हैं, जिनसे धैवत, गंधार और निशाद स्वर निकलते हैं। उस्ताद गुलफाम अहमद ने अपने शास्त्रीय संगीत के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए, रबाब में “मध्यम” स्वर के लिए एक अलग तार जोड़ा जिसके परिणामस्वरूप रबाब से शास्त्रीय संगीत के सभी राग आसानी से बजाए जा सकते हैं। रबाब पहले केवल कश्मीर और अफगानिस्तान के लोक संगीत में प्रसिद्ध था परंतु उन्होंने शास्त्रीय संगीत की अपनी जानकारी तथा भारत और विदेश में रबाब वादन की प्रस्तुति के द्वारा रबाब को पुनर्जीवित करने में एक अहम भूमिका निभाई है।
4. उस्ताद गुलफाम अहमद साहब भारत के एकमात्र शास्त्रीय रबाब वादक हैं। वह हमेशा रबाब वाद्य यंत्र को जीवित रखने का प्रयास करते हैं, और इसके लिए वह आईसीसीआर के माध्यम से कई वर्षों से अफगानिस्तान के युवाओं को शास्त्रीय रबाब सिखाते आ रहे हैं। वह निरंतर भारत के युवाओं को भी रबाब का शास्त्रीय ज्ञान प्रदान कर रहे हैं जिससे भारतीय शास्त्रीय संगीत के रबाब वादकों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। वह रबाब वादन की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संगीत के छात्रों को रबाब सीखने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अफगानिस्तान में उनके बहुत से शिष्य हैं और वह बहुत प्रेम से इस वाद्ययंत्र वादन का ज्ञान बांटकर उन्हें प्रेरित कर रहे हैं।
5. उस्ताद गुलफाम अहमद भारत और विदेश के कई संगीत समारोह में प्रदर्शन कर चुके हैं जिनमें कुतुब महोत्सव (कुतुब मीनार दिल्ली); हरि वल्लभ महोत्सव (पंजाब); सप्तक महोत्सव (अहमदाबाद, गुजरात); संकट मोचन महोत्सव (बनारस, उत्तर प्रदेश); कल्चरल म्यूजिक फेस्टिवल— इंग्लैंड; मॉस्को फेस्टिवल—मॉस्को; जापान म्यूजिक फेस्टिवल; कुवैत म्यूजिक फेस्टिवल; सतगुरु जगजीत सिंह महोत्सव—बैंकॉक आदि शामिल हैं। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद द्वारा अमेरिका, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन, ईरान आदि कई देशों में आयोजित अनेक कार्यक्रमों में भी प्रदर्शन किया है।
6. उस्ताद गुलफाम अहमद को विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं जिनमें 2016 में उत्तर प्रदेश सरकार का एक महत्वपूर्ण पुरस्कार “यश भारती” भी शामिल है।